बस में मिली अजनबी भाभी से प्यार

“सोनीपत बस स्टैंड पर बस की प्रतीक्षा कर रहा था। काफी भीड़ थी। वहीं पर एक हसीन औरत मुझे बार बार देख कर मन्द मन्द मुस्कुरा रही थी। पहले तो मैंने अपनी नजर का धोखा समझा लेकिन मेरी ही तरफ़ मुस्कुरा रही थी। ...”

Story By: (subhkhokhar)
Posted: Friday, July 11th, 2014
Categories: कोई मिल गया
Online version: बस में मिली अजनबी भाभी से प्यार

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

बस में मिली अजनबी भाभी से प्यार

सभी दोस्तों को मेरा प्यार भरा और सेक्स भरा प्रणाम।

मैं शुभ रोहतक हरियाणा से एक बार फिर हाजिर हूँ एक सच्ची और पागल चुदाई की कहानी लेकर। लेकिन आपने उससे पहले मेरी कहानियाँ
ऋतू के चुदाई के नखरे
और
गर्लफ्रेंड की चूत चोदी पूरी रात
की काफी सराहना की उसके लिए आप सभी को बहुत स्नेह और धन्यवाद।

ये कहानी मैं मेरे एक अन्तर्वासना मित्र की प्रार्थना पर लिख रहा हूँ। आगे उसी की जुबानी।

दोस्तो, मेरा नाम अर्जुन है, मैं सोनीपत हरियाणा से हूँ। यह बात कोई एक साल पहले की है, मुझे अपने दोस्त की शादी में जाना था तो सोनीपत बस स्टैंड पर काफी देर से बस की प्रतीक्षा कर रहा था।

काफी भीड़ थी, वहाँ सभी बस की प्रतीक्षा में थे। वहीं पर एक हसीन औरत मुझे बार बार देख कर मन्द मन्द मुस्कुरा रही थी।

पहले तो मैंने अपनी नजर का धोखा समझा लेकिन मेरी ही तरफ़ मुस्कुरा रही थी।

तभी बस आ गई और सभी बस की तरफ भाग लिए। काफी भीड़ हो गई बस में भी, मैंने भी एक सीट पर अपना कब्ज़ा बना लिया और बस चल पड़ी।

तभी मैंने देखा कि वो औरत खड़ी थी, उसे सीट नहीं मिली लेकिन उसके साथ एक बूढी

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

औरत थी उसको किसी ने अपनी सीट पर बैठा लिया था।

मैंने उसकी ओर इशारा किया और अपनी सीट पर थोड़ी जगह बना कर बैठा लिया।

मैंने उससे बात करना चालू कर दिया, बातो। से पता चला कि उसका नाम सोनिया है।

दोस्तो, मैं आपको बता दूँ कि जैसा उसका नाम प्यारा था उतनी सुन्दर भी थी।

वह अपनी मौसी के साथ उनके घर जा रही थी बहादुरगढ़।

मैंने उसको कहा- मुझसे दोस्ती करोगी ?

तो वो हंस कर कहने लगी- मैं शादीशुदा हूँ।

मैंने उसको कहा- क्या शादीशुदा औरत या मर्द को दोस्ती करने का हक नहीं होता ?

इस पर उसने कहा- ऐसा भी मैंने नहीं कहा।

बातों बातों में पता ही नहीं चला कि कब उसका स्टॉप आ गया। मैंने एक पर्ची पर अपना नंबर लिख कर उसे दे दिया और वो हंस कर चली गई।

एक बार तो मेरा भी दिल किया कि उसके साथ ही बस से उतर जाऊँ लेकिन मुझे अपने दोस्त की शादी में भी जाना था।

मैंने शादी अटेंड की ओर घर वापिस आ गया।

तीन दिन के बाद मेरे पास एक कॉल आया, वह सोनिया ही थी।

हमारी काफी बातें होने लगी। उसने बताया कि उसके 2 बच्चे हैं और उसका पति दारु पीकर

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उसे मारता है।

उसने यह भी बताया कि उसके मौसा-मौसी सरकारी कर्मचारी हैं, वो सुबह नौकरी पर चले जाते है और वो अकेली रहती है।

मैंने उससे पूछा- फिर तो हम मिल भी सकते हैं ?

लेकिन उसने मना कर दिया मिलने से पर मैंने दो-तीन दिन में उसे मना लिया।

उसने कहा- तुम 12 बजे के आस पास आ जाओ, तब दिन की गर्मी में कोई बाहर नहीं निकलता, किसी को शक भी नहीं होगा।

मैं उसके बताए हुए पते पर समय अनुसार पहुँच गया और उसको फ़ोन किया।

वो बाहर दरवाजे पर मेरा इंतजार कर रही थी।

उसने काला सूट पहना हुआ था। काले सूट में उसका पूरा बदन हीरे की तरह चमक रहा था। उसका बदन भी भगवान् ने फ़ुर्सत से ही बनाया होगा।

और एक वो चूतिया इसका पति जिसको इसकी कदर ही नहीं।

एकदम काम की देवी सी लग रही थी वो, दिल तो कर रहा था कि बस लिपट जाऊँ और खूब प्यार करूँ लेकिन मैंने थोड़ा रुकना सही समझा।

उसने मुझे सोफे पर बैठाया और पानी ले आई।

वो चाय बनाने के लिए रसोई में चली गई।

मुझसे अकेले रहा नहीं गया और मैं भी रसोई में ही उसके पास चला गया। वो चाय बना

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

रही थी, मैं उसके पीछे जाकर खड़ा हो गया और पीछे से ही उसको बाहों में भर लिया।

वो इसके लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं थी, मुझे कहने लगी- थोड़ा रुक जाओ, इतनी भी क्या जल्दी है।

पर मैं कहाँ रुकने वाला था, उसकी गर्दन पर चुम्बन करने लगा और आगे हाथ ले जाकर उसकी मस्त चूचियों को मसलने लगा।

वो भी आहें भरने लगी और मैं भी गर्म होने लगा..

वो चाय को छोड़ मेरी तरफ घूमी और मेरे होंठों को चबाने लगी। मैं तो चाहता ही यही था कि वो मेरा पूरा साथ दे बिना शरमाए।

हम एक दूसरे को ऐसे चूम रहे थे जैसे बरसों के प्यासे हों..

चुम्बन करते करते वो मुझसे नागिन की तरह लिपट गई और मैं उसको कस के बाहों में भर के पूरे बदन को कस के सहलाने लगा।

उसकी आँखें बंद होने लगी थी।

मैंने समय की नजाकत को समझा और सोचा कि सब्र का फल मीठा होता है, क्यों ना थोडा सब्र रखा जाए।

मैं उसको अपने से अलग करके बोला- पहले चाय बना लो, फिर बेडरूम में चलते हैं।

उसने बात मानते हुए चाय बनाई और बेडरूम में ले आई।

हमने चाय पीते हुई काफी सारी बातें की। उसने अपने बारे में बताया की उसका पति कैसे

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उसे पीटता और तंग करता है।

कुछ मैंने भी अपने बारे में बताया।

इन सब बातों में हम एक दूसरे के और करीब आ गए।

मैंने भी अब समय ख़राब न करते हुए उसे अपनी बाहों में भर लिया और उसने भी मुझे अपने बाहुपाश में कस लिया।

बाहों में कसते ही उसकी चूची मुझे चुभने लगी जैसे कोई कोई सख्त चीज हम दोनों के बीच आ रही है।

मैं भी होंठों में होंठ भर के होंठों का सारा का सारा रस चूसता चला गया और वो भी ज़ालिम मेरे होंठों को खाने पर तुली हुई थी जैसे कोई मन की मुराद पूरी हो रही हो।

मैंने चुम्बन करते हुए उसके उभारों को दबाने लगा जो तन कर सख्त हो गये थे। मेरे कस कर दबाने पर उसके मुख से काम पीड़ा की मनमोहक आवाजें निकल रही थी जिनको शब्दों में बयाँ कर पाना नामुमकिन है। आप समझ सकते हो उस समय कैसा हाल होता है।

एक हाथ से मैं उसकी चूचियो को दबा रहा था और एक हाथ उसके पूरे बदन को सहला रहा था।

अब रुक पाना मुश्किल था, उसकी साँसें भी ट्रेन के इंजन से भी ज्यादा तेज़ चल रही थी।

मैंने देर न करते हुए उसके कपड़े उतारने शुरु कर दिए और उसने मेरे।

अब हम दोनों अपने प्राकृतिक रूप में आ चुके थे, जैसे एक शिशु जन्म के समय होता है बिल्कुल नंगा निर्वस्त्र।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

हम दोनों का सब्र का बाँध टूट गया और दोनों एक दूसरे को बेतहाशा चूमने लगे, दोनों इतने गर्म हो चुके थे कि अब अपने आप पर काबू रख पाना मुश्किल था।

मेरा भी मन था कि बस उसको चोद दूँ लेकिन कह नहीं पाया।

इससे पहले उसी का सब्र टूट गया और मेरा लौड़ा पकड़ कर अपनी चूत के मुख पर रख दिया। मैंने भी थोड़ा और तड़पाने के लिए उसकी चूत के उपर से ही कई बार रगड़ लगाई।

उसके मुँह से काम की सीत्कारें निकलने लगी पर वो कह कुछ ना पाई पर मैं समझ चुका था।

मैंने देर न करते हुए अपने लण्ड महाराज को आदेश दिया और वो उसकी चूत में घुसता चला गया। आनन्द से मेरी भी आँखें बंद हो रही थी और मैं अंदर डालता चला गया और उसने भी आआह्ह्ह्ह आआह्ह्ह करते हुए मेरे पूरे लण्ड को अपनी योनि में समां लिया।

बस फिर क्या था, 2-4 धक्कों में ही वो अपने चूतड़ उठा उठा कर मेरा पूरा साथ दे रही थी, जैसी मुझे उम्मीद थी वो बिल्कुल ऐसा ही कर रही थी।

मैं धक्कों पे धक्के लगाता चला गया और वो मेरा साथ देती चली गई।

उसने अपने आप को मुझे समर्पित कर दिया था पूरी तरह, इतना आनन्द आ रहा था कि बता भी नहीं सकता। उसके मुख से काम भरी आवाजें निकल रही थी 'आआआअ आआह्ह आआन्न' वो मुझे और भी जोशीला बना रही थी।

मैंने भी धक्के लगाने में और जोर लगाया, इन धक्कों के दौरान वो मुझे पागलों की तरह प्यार कर रही थी और मैं भी धक्के लगाने के साथ साथ उसके मम्मों को चूस रहा था जो सेक्स को और भी रंगीन बना रहे थे।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

कभी उसके होंठों का रसपान करता कभी उसके चूचों का मैं, मदहोशी का आलम हम दोनों पर छाया हुआ था और इस दौरान वो चिल्ला पड़ी-…आआ… आआहआ…

मैं गईईई… आअह्ह और वो झड़ गई।
और 5-7 धक्कों के बाद मैं भी उसकी चूत में ही झड़ गया और मैंने अपने माल से उसकी चूत को तृप्त कर दिया।
दोनों के चेहरों पर तृप्ति और थकान के भाव साफ़ दिख रहे थे।

हम दोनों ने आपस में कोई बात नहीं की और एक दूसरे को बाहों में ले कर साथ लेट गये।
पता ही नहीं चला कि आँख कब लग गई और हम दोनों सो गए।

शाम को आँख खुली और हमने समय देखा और जल्दी जल्दी में उठे क्योंकि उसकी मौसी के आने का समय हो चला था।

हम दोनों ने कपड़े पहने और एक बार फिर से हमने प्यार से एक दूसरे को कस कर बाहों में लिया और एक लम्बी चुम्मी ली।

मैंने ‘लव यू यार !’ कह के उससे अलविदा ली और फिर मिलने का वायदा किया।

उसका मन नहीं था मुझे अपने से दूर करने का, पर क्या करे।

उसके थोड़े समय बाद भी हमारी बातें हुई लेकिन फिर उसने अपना नंबर बदल लिया क्योंकि उसका पति उसे अपने साथ ले जा चुका था।

उस अजनबी हसीना और उसके प्यार को कभी भी नहीं भूला सकता।

तो दोस्तो, कैसी लगी मेरे प्यार की एक छोटी सी दास्ताँ ?
अर्जुन सिंह as564573@gmail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

शुभ-subhkhokhar@gmail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

दोस्त की बुआ के घर तीन चूत-2

तीन तीन चूतों के बारे में सोच सोच कर ही मैं तैयार हुआ और अपने काम पर निकल गया। काम करते करते मार्किट में ही मुझे शाम के पांच बज गए, मुझे खाली हाथ वापिस जाना अच्छा नहीं लग रहा […]
Full Story >>>

लागी लंड की लगन, मैं चुदी सभी के संग-27

मैं नंगी होकर बेड पर उल्टी लेट गई, रितेश मेरी मालिश करने लगा। जब रितेश मालिश कर रहा था तो मैंने उसके और स्नेहा की चुदाई की बात पूछी तो रितेश ने स्नेहा के साथ क्या किया, सुनाने लगा : वास्तव […]
Full Story >>>

भाई के दोस्त से चूत चुदवाने के लालसा-1

दोस्तो, मैं फेहमिना आप सबके सामने अपनी एक नई कहानी लेकर आई हूँ। मेरा नाम फेहमीना इक़बाल, मैं 26 साल की एक खूबसूरत लड़की हूँ। जैसा आप सभी जानते ही होंगे कि साहिल के ऑफिस की पार्टी में मेरी मुलाकात […]
Full Story >>>

लागी लंड की लगन, मैं चुदी सभी के संग-26

हम मेहमानों के साथ जाकर बैठ गये। मैं रितेश के लिये असन्तुष्ट थी, बेचारा… चूत उसे मिल ही नहीं रही है। इसी तरह मेहमानवाजी में फिर रात के ग्यारह बज गये और सब लोग सोने की तैयारी में थे। मैं […]
Full Story >>>

बस में मचलती भाभी की चूत की चुदाई का सफ़र-2

अब तक आपने पढ़ा.. बस में मिली वो अप्सरा मुझसे अपनी चूचियों को स्पर्श करवा रही थी। अब आगे.. अब मुझसे भी रहा नहीं जा रहा था.. तो मैंने फ़ोन बंद कर दिया और अपने दोनों हाथ फोल्ड करके बैठ […]
Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Kambi Malayalam Kathakal

Large Collection Of Free Malayalam Sex Stories & Hot Sex Fantasies.

Pinay Sex Stories

Araw-araw may bagong sex story at mga pantasya.

Indian Phone Sex

Real desi phone sex, real desi girls, real sexy aunti, sexy malu, sex chat in all indian languages

Pinay Video Scandals

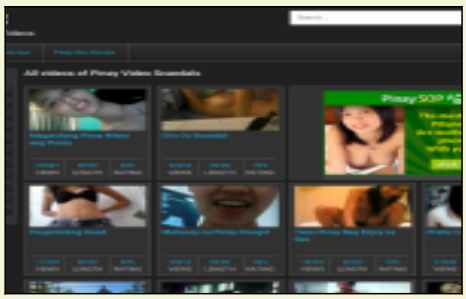

Manood ng mga video at scandals ng mga artista, dalaga at mga binata sa Pilipinas.

Indian Sex Stories

The biggest Indian sex story site with more than 40 000 user submitted sex stories. Go and check it out. We have a story for everyone.

Delhi Sex Chat

Are you in a sexual mood to have a chat with hot chicks? Then, these hot new babes from DelhiSexChat will definitely arouse your mood.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire